हनुमान के सीने में सियाराम ना होते | by Rohit Sharma

सेवा के ये सच्चे अगर भाव ना होते
हनुमान के सीने में सियाराम ना होते

उड़े उड़े हनुमान लांघ गए समंदर
पवन वेग से उड़कर श्री राम के पायक बनकर
संकट मोचन वीर बली के चर्चे ना होते
हनुमान के सीने में सियाराम ना होते

शिव की नगरी लंका में बैठ बजाये चुटकी
कच्चे पक्के बल खाये भरे राम नाम की बटकी
मात सिया के चरणों में अंजना लाल ना होते
हनुमान के सीने में सियाराम ना होते

जीवन की ये नैया लहरों के ऊपर है चलती
कब आ जाएँ तूफां पल में पलट जाएँ ये कश्ती
मूर्छित को बूटी पिलाई लक्ष्मण ज़िंदा ना होते
हनुमान के सीने में सियाराम ना होते

तेरे दीवाने की अँखियाँ छलक रही हैं बाबा
अँसुअन की मोती माला तुझे अर्पण करू मैं बाबा
सज्जन शिव अवतार ना लेते राम काज ना होते
हनुमान के सीने में सियाराम ना होते

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a5%80%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%b8%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be/